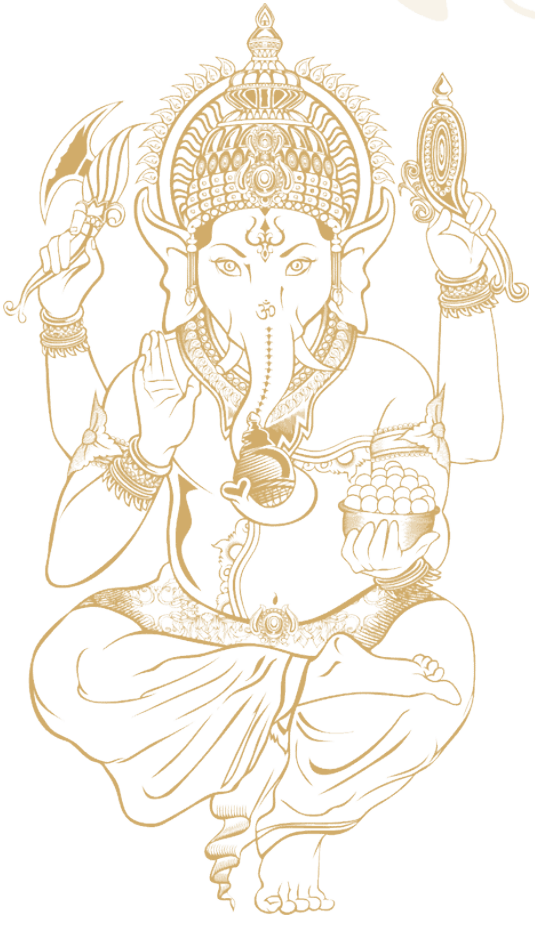

Ravi shankar shukla

05 Jun 1978

07:58 AM

Janjgir

Model: web-freekundliweb

Order No: 121790503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/06/1978**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**07:58:10 घंटे**
इष्ट	06:45:47 घटी
स्थान	**Janjgir**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	22:02:00 उत्तर
रेखांश	82:33:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:58:22 घंटे
वेलान्तर	00:01:40 घंटे
साम्पातिक काल	00:51:02 घंटे
सूर्योदय	05:15:51 घंटे
सूर्यास्त	18:40:42 घंटे
दिनमान	13:24:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	20:31:48 वृष
लग्न के अंश	26:53:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:53:28	317:30:00	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			वृष	20:31:48	00:57:28	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	12:49:59	12:09:25	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	01:35:16	00:31:50	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	वृष	09:22:41	02:02:02	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	16:26:05	00:12:51	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	23:13:08	01:11:27	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			सिंह	01:30:24	00:04:01	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		कन्या	09:45:47	00:11:36	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	09:45:47	00:11:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		तुला	19:36:51	00:02:03	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
नेप	व		वृश्चि	23:28:18	00:01:37	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
प्लूटो	व		कन्या	20:26:36	00:00:37	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
दशम भाव			मीन	20:18:28	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:20

लग्न-चलित

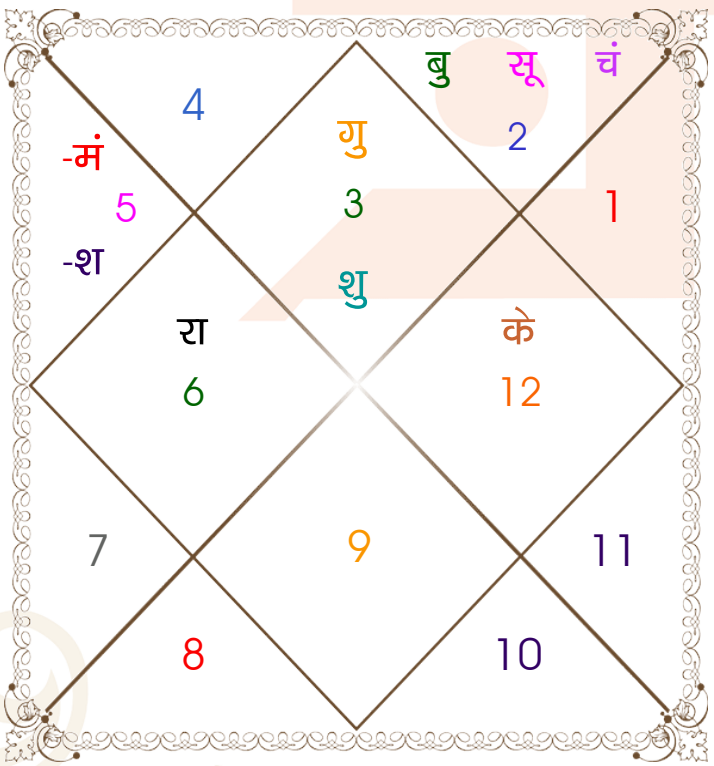

चन्द्र कुंडली

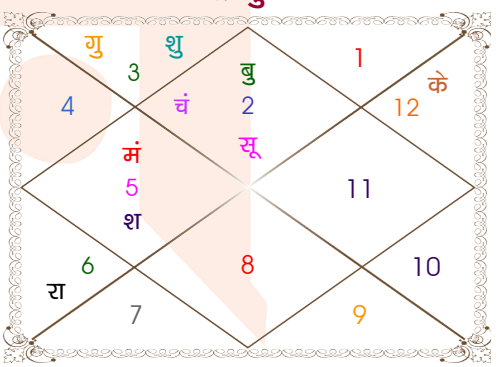

नवमांश कुंडली

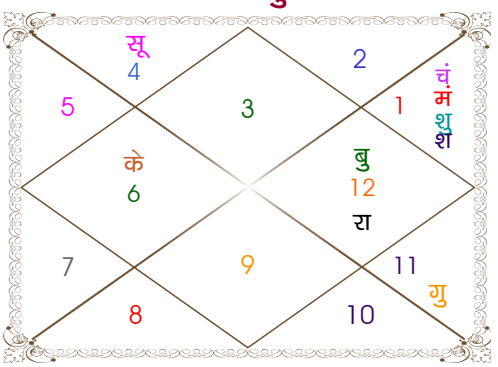

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 10 मास 15 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/06/1978		20/04/1986		20/04/1993		21/04/2011		21/04/2027	
20/04/1986		20/04/1993		21/04/2011		21/04/2027		20/04/2046	
	00/00/0000	मंगल	16/09/1986	राहु	01/01/1996	गुरु	08/06/2013	शनि	23/04/2030
	05/06/1978	राहु	05/10/1987	गुरु	27/05/1998	शनि	20/12/2015	बुध	31/12/2032
राहु	21/03/1979	गुरु	10/09/1988	शनि	02/04/2001	बुध	27/03/2018	केतु	09/02/2034
गुरु	20/07/1980	शनि	20/10/1989	बुध	20/10/2003	केतु	03/03/2019	शुक्र	11/04/2037
शनि	18/02/1982	बुध	17/10/1990	केतु	07/11/2004	शुक्र	01/11/2021	सूर्य	24/03/2038
बुध	21/07/1983	केतु	15/03/1991	शुक्र	07/11/2007	सूर्य	20/08/2022	चंद्र	23/10/2039
केतु	19/02/1984	शुक्र	14/05/1992	सूर्य	01/10/2008	चंद्र	20/12/2023	मंगल	01/12/2040
शुक्र	20/10/1985	सूर्य	19/09/1992	चंद्र	02/04/2010	मंगल	25/11/2024	राहु	08/10/2043
सूर्य	20/04/1986	चंद्र	20/04/1993	मंगल	21/04/2011	राहु	21/04/2027	गुरु	20/04/2046

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/04/2046		21/04/2063		20/04/2070		20/04/2090		20/04/2096	
21/04/2063		20/04/2070		20/04/2090		20/04/2096		00/00/0000	
बुध	16/09/2048	केतु	17/09/2063	शुक्र	20/08/2073	सूर्य	08/08/2090	चंद्र	18/02/2097
केतु	13/09/2049	शुक्र	16/11/2064	सूर्य	20/08/2074	चंद्र	06/02/2091	मंगल	19/09/2097
शुक्र	14/07/2052	सूर्य	24/03/2065	चंद्र	20/04/2076	मंगल	14/06/2091	राहु	05/06/2098
सूर्य	20/05/2053	चंद्र	23/10/2065	मंगल	20/06/2077	राहु	08/05/2092		00/00/0000
चंद्र	20/10/2054	मंगल	21/03/2066	राहु	20/06/2080	गुरु	24/02/2093		00/00/0000
मंगल	17/10/2055	राहु	08/04/2067	गुरु	19/02/2083	शनि	06/02/2094		00/00/0000
राहु	05/05/2058	गुरु	14/03/2068	शनि	20/04/2086	बुध	14/12/2094		00/00/0000
गुरु	10/08/2060	शनि	23/04/2069	बुध	18/02/2089	केतु	21/04/2095		00/00/0000
शनि	21/04/2063	बुध	20/04/2070	केतु	20/04/2090	शुक्र	20/04/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 10 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।